The proposals are at a preliminary stage and are yet to be processed through various channels.

बड़े घरानों द्वारा पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना

*230. श्री पीताम्बर दास :
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
श्री मानसिंह वर्मा :
श्री ओम् प्रकाश त्यागी :
श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा :

क्या **औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना के लिए कुल कितने आवेदन पत्रों को स्वीकृति दी गयी; और उनमें से कितने आवेदन-पत्र बड़े औद्योगिक घरानों के थे; और

(ख) कितने आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिये गये और उनमें से कितने क्रमश: औद्योगिक घरानों तथा अन्य व्यक्तियों के थे ?

[INDUSTRIES BY BIG HOUSES IN BACKWARD AREAS

•230. SHRI PIT AMBER DAS:
SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: SHRI MAN SINGH VARMA: SHRI O. P. TYAGI: SHRI V. K. SAKHLECHA:

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) the total number of applications sanctioned for the establishment of industries in backward areas during the last three years and how many out of them belonged to the large industrial houses; and

(b) the total number of rejected applications, and how many of them belong to the large industrial houses and others, respectively?]

औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री सी० सुब्रह्मण्यम्) : (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

(क) वर्ष 1970–1971 और 1972 की अवधि में पिछड़े क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस/आशय पत्र निम्न प्रकार हैं:—

वर्ष	जारी किये गये लाइसेंसों की कुल संख्या	बड़े गृहों के हिस्से	जारी किये गये आशयपत्रों की कुल संख्या	बड़े गृहों के अंश
1970 . .	59	1	43	. .
1971 . .	76	13	99	4
1972 . .	77	11	102	6

tt] English translation.

(ख) वर्ष 1970, 1971 और 1972 की अवधि में रद्द किये गये आवेदन पत्रों की संख्या क्रमश: 526, 755 और 881 थी। बड़े औद्योगिक गृहों और पिछड़े क्षेत्रों से सम्बन्धित रद्द किये गये आवेदन पत्रों के आंकड़े अलग-अलग नहीं रखे जाते हैं।

ttTHE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI C. SUBRAMANIAM): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) During the year 1970, 1971 und 1972 licences/letters of intent issued for the location of industries in the backward areas are as follows:—

Year	Total No. of licences issued	Share of larger houses	Total No. of letters of intent issued	Share of larger houses
1970	59	1	43	..
1971	70	13	99	4
1972	77	11	102	6

(b) During the years 1970, 1971 and 1972 the total number of applications rejected was 526, 755 and 881 respectively. Separate statistics about rejection of applications from the Larger Industrial Houses and those relating to backward area are not maintained.]

देश में कागज के कारखानों का कार्यकरण

***231. श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा :** क्या औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रोद्योगिकी मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कागज के कितने कारखाने बड़े औद्योगिक घरानों के हैं और इन घरानों के नाम क्या हैं और कितने कारखाने सरकारी क्षेत्र में हैं;

(ख) क्या यह सच है कि इनमें से अधिकतर कारखाने बांस से कागज की लुगदी तैयार करते हैं; और यदि हां, तो किन राज्यों से उन्हें बांस मिलता है और क्या सरकार ने बांस की कीमत तथा अन्य उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए कागज का उचित मूल्य निर्धारित किया है; और

(ग) क्या यह सच है कि ओरियन्ट पेपर मिल्स तथा कतिपय कागज की अन्य मिलों को बांस 8 या 10 रुपये प्रति टन के भाव से विन्ध्य (मध्य प्रदेश) क्षेत्र से सप्लाई किये जाते हैं और क्या उन्होंने आने वाले वर्षों में भी उसी भाव से बांस की खरीद के सम्बन्ध में मध्य प्रदेश की सरकार के साथ कोई समझौता किया हुआ है ?

t [WORKING OF PAPER MILLS IN THE COUNTRY

*231. SHRI V. K. SAKHLECHA: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) the number of paper mills in the country which belong to large industrial houses together with the names of those houses and the number of mills which are in public sector;

(b) whether it is a fact that most of these mills manufacture paper pulp from bamboo; and if so, the names of

t [ ] English translation.